At times there have been complaints about the quality on account of ash content in washed coking coal.

(d) The steps taken/being taken for improving the quality as well as quantity of coal supplied to SAIL are as under:—

(i) Expediting completion of modernisation of the existing washeries for improving quality and quantity of washed coal.

(ii) Two new coking coal washeries with a total annual raw coal capacity o 5.1 million tonnes area under construction for augmenting availability of washed cooking coal.

(iii) Tenders have been invited by CIL for setting up washeries in the Priate sector under Build-Own-Operate Scheme.

(iv) Close liasion with Railways is maintained to improve the availability of wagons for despatch of coal to steel plants of SAIL.

Supply of lignite to Private Company

831 SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI:

SHRI K. K. VEERAPPAN:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government of India had agreed to supply the lignite available with Neyveli Lignite Corporation to the Private Company who come forward to generate power under Zero Unit Project; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) and (b) A 210 MW thermal power project based on lignite, commonly known as Zero Unit project, has been transferred to M/s. STPS Inc. for implementation. Earlier, it was contemplated to be implemented by Neyveli Lignite Corporation Ltd. (NLC). As per the terms and conditions governing the transfer, NLC is to supply, on payment, raw lignite for the power station as per the Fuel Supply Agreement to be mutually entered into between the companies.

कोयला क्षेत्र में लाभ और हानियां

832. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय कोयले के किस-किस क्षेत्र में लाभ/नुकसान हो रहा है; और

(ख) इस समय किस-किस कोयला क्षेत्र में कोयले का कितना-कितना भंडार उपलब्ध है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : वित्तीय वर्ष 1994–95 अभी पूरा नहीं हुआ है। कोल इंडिया लि० की सहायक कम्पनियों द्वारा वर्तमान में कमाया गया लाभ तथा उठाई गई हानि का 1994–95 के दौरान केवल वित्तीय वर्ष के समाप्त हो जाने तथा लेखों को अंतिम रूप दिये जाने के बाद ही पता चल सकेगा। किन्तु, वर्ष 1993–94 के लेखों के अनुसार कोल इंडिया लि० ने (एक पृथक कम्पनी के रूप में), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० तथा भारत कोकिंग कोल लि० ने घाटा उठाया है, कोल इंडिया लि० कोल की अन्य सभी सहायक कम्पनियों ने 1993–94 के दौरान लाभ कमाया है।

(ख) कोल इंडिया लि० द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार फरवरी, 1995 के अन्त में कोल इंडिया लि० की प्रत्येक

सहायक कम्पनी के पास कोयले के स्टाक के ब्यौरे नीचे दिये गये हैं:–

(आंकड़ा अनंतिम)

कम्पनी का नाम	कोयले का स्टाक (मिलियन टन में)
1. ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०	5.664
2. भारत कोकिंग कोल लि०	7.368
3. सेंट्रल कोलफील्ड्स लि०	10.077
4. नार्दर्न कोलफील्ड्स लि०	0.707
5. वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि०	2.935
6. साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०	7.492
7. महानदी कोलफील्ड्स लि०	4.636
8. नार्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०	1.106

नई कोयला खानों की शुरुआत

833. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान किन-किन [illegible] कौन-कौन सी नई कोयला खानें [illegible] की गई हैं ; और

(ख) क्या उन खानों के लिये विदेशी सहायता भी प्राप्त की गई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) गत तीन वर्षों अर्थात 1992–93 से 1994–95 (फरवरी, 1995 तक) के दौरान कोल इंडिया लि० (को०इं०लि०) तथा सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लि० (सिं० को० कं० लि०) में प्रत्येक 20 करोड़ रु० तथा उससे अधिक की लागत की 22 परियोजनायें आरम्भ की गई हैं। इन खानों के नाम तथा उनकी अवस्थिति के संबंध में ब्यौरे संलग्न विवरण–पत्र में दिये गये हैं। **(नीचे देखिये)**

(ख) सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लि० की पदमावती खानी भूमिगत परियोजना के मामले में पूर्णतया तथा यंत्रीकृत लांगवाल फेज तथा ट्रंक बेंट कन्वेयर प्रणाली के एक सैट के लिये संपूर्ण उपकरण के दो सैट की आपूर्ति करने, स्थापित करने, आरम्भ करने तथा परिचालन करने के लिये सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लि० तथा चाइना नेशनल कोल माइनिंग इंजीनियरिंग इक्यूपमेंट (हांगकांग) के बीच एक करार पर हस्ताक्षर किये गये।

विवरण

क्र०सं०	परियोजना	कम्पनी	राज्य	स्वीकृति की तारीख
1.	समलेश्वरी ओपेनकास्ट	म०को०लि०	उड़ीसा	अगस्त, 1992
2.	गोविन्दपुर ओपेनकास्ट	से०को०लि०	बिहार	अगस्त, 1992
3.	बकुलिया भूमिगत	ई०को०लि०	पं. बंगाल	अगस्त, 1992
4.	पारेज ईस्ट भूमिगत	से०को०लि०	बिहार	सितम्बर, 1992
5.	कोलार पिम्परी ओका	वे०को०लि०	महाराष्ट्र	सितम्बर, 1992
6.	मकरधोकरा–II भूमिगत	वे०को०लि०	महाराष्ट्र	सितम्बर, 1992
7.	गोंडेगांव ओपेनकास्ट	वे०को०लि०	महाराष्ट्र	दिसम्बर, 1992
8.	पारेज ईस्ट ओपेनकास्ट	से०को०लि०	बिहार	मार्च, 1993